### विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग वाबा साहेब भीमराव अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजपकरपुर

## एम.ए.संस्कृत पाठ्यक्रम

[प्रथम समस्टर] [CC-] विद खण्ड-1 जरुण (1.24), इन्द (1.32), तुर्थ (1.115), विश्वामित्र-नार्ध स

खण्ड-1 अरुण (124), इन्द्र (1.32), तूर्व (1.115), विश्वामित्र-तदी संबाद (3 अस्मि(4.7), हिरण्यमर्ग (10.121) खण्ड-2 गुश्स यजुर्वेद-शिवसंकस्यसूक्त (XXXIV 1-8)

ন্তান (301), তেখুনিবর্যন (1.29) অত্ত-3 নিভন্ন (যাংক) মধ্য ক্রয়েয

कसा-वरीशन (CIA) 30 अंक विभाजन — बस्तुनिष्ठ — 2 × 10 = 20 अंक समाउत्तरीय — 5 × 4 = 20 अंक

दीर्घन्नसम् – 10 × 3 = 30 अंक अनुशंसित प्रतकें:-

 New Vedic Selection (Part-I & II) - Bhartiya Vidya Prakashan, Varanasi-221007.

जनम्भारतक यह च सारिणीश का, प्रकाशन केन्द्र, सखनक-20 जनम्भारतक यह च हरिदरशास्त्री, साहित्य मण्डार, मेरठ-02 जेक्सरणनिकर - उमाराकर शर्मा जिल्लि, श्रीखम्बा ओरियम्टासिया, बरागसी-01

वैदिक कविता- हरिमोहन मिश्र- रामनारायण विजय कुमार, इलाहाबाद-02 मिरुक्तन्- कपिलदेव डिवेदी- लाहित्य भण्डार, मेरठ,-02

हित्सित विज्ञान और आधार्य सास्क- रामाशीष पाण्डेय, प्रश्लोध संस्कृत प्रकाशन, रॉगी-834012 हिन्दी निकरत- उमाशंकर सर्चा 'ऋषि'- चीसम्बा विद्या भवन वाराधारी

हिन्दी निरुक्ते— उमासकर समी 'ऋषि'— चीखम्बा दिया भवन, बाराणसी ♣♣♣♣

चौकाम्बा सरभारती प्रकाशन

राण्ड−1	वेदान्तसारः (स	दानन्दकृत)				25	
Stag-5	तर्वभाषा (प्रमा	गनिसपगप	र्वन्त)			20	
खण्ड-३	तांच्यकारिका	(1-30 ভা	रिकापर्य	· <del>च</del> )		25	
	कशा-परीक्षण	(CIA)			4	30	
अंक विमार	वन - वस्तुनि	100	-	2 × 10	4.	20 85	
	त्रधुवर	ारीय	-	5 × 4	-	20 संक	
	दीर्घक	तरीय	-	10 × 3	100	30 अंक	
अनुशंसिव	पुस्तकें:-			*	1		
1. तर्का	तथा- ढाँ० गजा	नन शास्त्री	मुख्यु	र्वाबकरा, भ्रोट	ो शम्बा सु	रभारती प्रकार	20 25 30 8 8
			. (				

वाराणली।

3. सांठ्यकारिका (इंच्डरकृष्ण)— ६० ज्वाला प्रशाद गीड — पीखम्बा सुरमारती
प्रकारान, वाराणकी।

सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण)- असि

. तांध्यकार का (इंट्रवर्कण) - ठाँ० श्रीकृष्णमणि त्रियाठी - घोराम्या सुरमारती प्रकारतः सरामानी। श्रीरहीक देशन- ठाँ० जगरीण चन्द निम्न- घोराम्या सरमारती प्रकारान, वारागती।

चेदानकार – भी रामसरमासनी- घोळमा सुरगारती प्रकारत, वाराणती। चेरानसार (सदानद)– राकेश शास्त्री– परिवत पव्यक्तिकान, दिस्सी-७ । सर्वभाषा– आधार्य विश्वेष्टर – मोतीसास बनारसी दास, दिस्सी-2 ।

\*\*\*\*

		3/3/
CC-III	थ्याकरण	पूर्गांक-100
खण्ड−1	तिद्वान्तकीमुदी- कारकप्रकरण	15
सम्द-2	सिद्धान्तकौमुदी-सुबन्तप्रकरण (आदि से सर्व शब्दपर	र्मन्त) 20
61a2-3	'भू' एवं 'एम्' धातु (ससूत्र)	20
राण्ड−4	परपशाहिनकम्	15
	वशा-परीक्षण (CIA)	30
अंक विमाज	न – वस्तुनिष्ठ – 2 × 10 =	20 অক
	तघुउत्तरीय – 5×4	<b>20 अंक</b>
	दीर्घंडतरीय - 10 × 3 =	30 অক

# अनुशंसित पुस्तकें:-1. वैद्याकरणसिद्धान्तकौमदी- सम्बद्ध-

- घोराम्या प्रथितिंग **अवस्य नई दि**ल्ली
- वैयाकरणसिद्धान्तकोमुदी- व्याक्याकार- पं० गोपालदत्त पाण्डेय घौराम्या स्रामारती प्रकाशन, कारामानी
- আকংম্মহাসাক্ষম (ঘর্তনার)– टीकाकार– ঠাঁ০ हरिनारायण तिवारी– चीखम्या पश्चिमित हार्चस, नई दिस्ती
- व्यक्तरगम्हाभाष्यन् टीकाकार- पं० मधुसूदन मिश्र, सम्पादक- आचार्य संधिधिर मीमांसक, पौद्यम्बा सुरभारती प्रकाशन, वारागसी

कारकदर्शनम् – डॉ० कलानाथ ज्ञा- चौखम्बा सुरमारती प्रकाशन, वारागसी

----

		4/32
CC-IV	काव्यशास्त्र	यूर्णांक-100
@ag−1	काव्यप्रकाश – प्रथम और द्वितीय उल्लास	35
सण्ड-2	काव्यप्रकाश - नवम और दशम उल्लास	35
	नवम उल्लास- वळोकि, अनुप्रास, यमक और रले	प=4 अलंकार
	दशम उस्लास- उपमा (पूर्णीयमा), उत्प्रेक्षा, रूपक, व	तिशयोकि, अपस्नुति,
	संदेह, समासोक्ति, निदर्शना, अप्रस्तुतप्रशंसा, द्	प्टान्त, तुल्ययोगिता,
	परिसंच्या, काव्यसिंग, धान्तिमान्, संशय, दीपक,	विभावना, व्यक्तिरेक,
	विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास और संकर = 21 अल्ब	गर ।
	कशा-परीश्रण (CIA)	30
অ'ক বিদান	तन – वस्तुनिष्ठ – 2 × 10	= 20 প্রভ
	त्रधुवत्तरीय <b>– 5</b> × 4	= 20 NT
अनुशंशित 1 कार	दीर्घनसीय - 10 × 3 पुस्तकें:- प्रकाश- आवार्य विकास्यर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, व	= 30 অভি
	प्रकार- श्रीनेवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ	
3. ক্যায়	ग्रकारा- हरिरोकर रामां, घौसाम्बा संठ संस्थान, वार	गगसी
4. ্ কাল	प्रकाश- सत्पद्रत सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन	, वाराणसी
5 3100	प्रकारा— वासुदेवशास्त्री अध्यंकर द्वारा संशोधित चीखम्बा सुरः	गरती प्रकाशन, वारामसी
	****	

Jan Light

High States of the Charles

AFC

## A-Environmental Sustainability (3 Credit) B - Swachha Bharat Abhiyan Activities (2 Credits)

Each credit requires 10 hours of teaching-learning for theory and 20 hours for practical assignment field work.

A- Unit-1 Environmental emics & ecosystem : Concept of subtinable development with reference to human values in yeatern and lodinar perspective, sustainable development & Conservation of natural resources (Nature, factors, structure, development and people participation) development, environment-invital and urban, concept of Ecosystem.

A-Link-2 Development of its effect on temporarisms: Environment Pollution-water, arr, noise of the Sult blanksiston, Industrial civilization, Concept of Code Warming, Climatic Change, Green House Effect, And pan (2004 part object house) and encroschement of ledge paint particularly pathenium and trees with speed inference to improve on habit is habitat on indigenous for a & failer.

A-Link-3 - Concept of the Soverview's and its conservation. Environmental A-Link-3 - Concept of the Soverview's and its conservation. Environmental A-Link-3 - Concept of the Soverview's and its conservation.

Beginaries and conservation, Govt. Policies, Social effects and sola of social reforms in this direction. Role of science in consequence of environment concept of Three 'R' (reduce, resure, recycle). Need of environmental education and awareness programme and ecological economics.

Swachha Bharat Abhlyan: The concept of Swachhata as personal, Gandhia perparat howards social and environmental moral values & concept of swachhata and its relation to moral upgradation of society and freedom struggle. Awareness Programme related to Swachhata. Role of Swachchaganhii in Swachha Bharat Ahiyan Sanlation and Pulyane, wily senior in needed, senitation and human rights, plantation, value of agencies. Case study of Sanitation, effects of cleanliness, Diseases - infectious and vector - borne of Spread of diseases through body and other biological fluids and excreta.

nature, concept of community participation and role of state

i-Unit-5 Assignment/Practical/field work based on unit-4

Or. Alternative to Unit-4 and unit-5 a student can also enrol for

Swachha Bharat Internship programme of MHRD. Ference:-

#### U.P.Sinha - Environment & Social Sector : Concept Publication New

- Delhi.

  2. U.P.Sinha Sustainable Resource development policy concept
- publication New Delhi.
  - U.P.Sinha Economics of Social sector & Environment Concept publication New Delhi.
  - 4. Sengupta, R. 2003, Ecology and economics: An approach to
- sustainable development, OUP.

  5. Introduction to sustainable development Dr. Ranjana Singh, Globuss
- Press, New Delhi.

  6. Singh, J.S.Singh, S.P. and Gupta, S.R. 2014, Ecology, Environmental
- science and conservation, S.Chand Publishing
  7. Our Common future Report by UN Bruntland Commission (1987).
  - Gandhi and the Environment T.N. Khoshoo, John S. Moolakkattu.
  - Rosencrantz, A., Divan, S & Noble, 2001. Environmental law and policy in Indian, tripathi 1992.
  - World Commission on environment and development, 1987 our common future, Oxford University, Press.

\*\*\*\*